गर्मी में ईवी का इंजन रहेगा कूल

आरजीपीवी में हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन के लिए बनाया एडवांस कूलिंग सिस्टम

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 13 जुलाई. ई-वाहनों की खरीदारी में सभी को चिंता होती है कि गर्मी में वाहन का तापमान कैसे कम रखेंगे. इसी विषय पर आरजीपीवी भोपाल के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के शोधार्थी हिमांशु शर्मा ने हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहनों (एचईवी) के लिए एक प्रभावी कूलिंग सिस्टम विकसित किया है.

उन्होंने हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन के लिए संशोधित रेडिएटर, विभिन्न इनसर्ट्स और नैनो द्रव आधारित उन्नत कूलिंग सिस्टम के अभिकल्प, विकास और तुलनात्मक कार्यक्षमता विश्लेषण विषय पर अपना पीएचडी शोध कार्य भी पूरा कर लिया है.

-क्या है यह नई तकनीक और कैसे करती है काम

इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड वाहनों में बैटरी और इंजन के अत्यधिक गर्म होने की समस्या होती है. हिमांशु के इस उन्नत कूलिंग सिस्टम में विशेष प्रकार के इनसर्ट्स (आंतरिक संरचनाएं) और अत्याधुनिक नैनो द्रवों (नैनो फ्लूइड्स) का उपयोग किया गया है. जिससे यह तकनीक सामान्य कूलिंग सिस्टम की तुलना में वाहनों से निकलने वाली अत्यधिक गर्मी को बहुत तेजी से सोखती है और इंजन व बैटरी के तापमान को नियंत्रित रखती है. इससे न केवल वाहनों की कार्यक्षमता और माइलेज में सुधार होगा, बल्कि बैटरी की उम्र भी बढ़ेगी और थर्मल रनअवे (आग लगने की घटनाओं) जैसी तकनीकी दिक्कतों पर भी लगाम लगाई जा सकेगी.

राष्ट्रीय स्तर पर मिले कई पुरस्कार और 4 पेटेंट दर्ज

बता दें इस शोध को राष्ट्रीय तकनीकी कौशल प्रदर्शनी 2025 में देश स्तर पर प्रथम पुरस्कारों में स्थान मिला है. साथ ही इस तकनीक से संबंधित चार महत्वपूर्ण पेटेंट भी दायर किए जा चुके हैं. वहीं इस कार्य के दौरान 5 उच्च स्तरीय शोध पत्र देश-विदेश की प्रतिष्ठित एससीआई और स्कोपस सूचीबद्ध अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं.

संयुक्त मार्गदर्शन में पूरा हुआ शोध कार्य

यह शोध कार्य यूआईटी-आरजीपीवी के डॉ. रविन्द्र रणदा और रुस्तमजी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आरजेआईटी), बीएसएफ अकादमी ग्वालियर के डॉ. गौरव सक्सेना के संयुक्त दिशा-निर्देशन और मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ है. वहीं इस तकनीकी उपलब्धि पर आरजीपीवी के कुलपति प्रो. आलोक शर्मा ने शोधार्थी हिमांशु शर्मा और उनके दोनों गाइडों को बधाई दी. उन्होंने कहा कि आज के दौर में उद्योगों की जरूरत के अनुसार और नवाचार आधारित रिसर्च देश में इलेक्ट्रिक वाहन प्रौद्योगिकी के विकास को एक नई और सकारात्मक दिशा देगी.

आचार्यश्री के विहार में रोज शामिल हो रहे भोपालवासी

19 जुलाई को आचार्यश्री समयसागर महाराज का भोपाल में होगा मंगल प्रवेश

नवभारत न्यूज

भोपाल, 13 जुलाई. आचार्यश्री समयसागर महाराज के कदम राजधानी की ओर बढ़ रहे हैं, इटारसी में भव्य अगवानी के बाद आचार्यश्री ने अगले दिन सोमवार को केशलोंच किया.

अब आचार्यश्री के कदम मंगलवार को इटारसी से भोपाल की ओर बढ़ना प्रारंभ होंगे. वह रोज विहार कर रहे हैं, इसमें प्रतिदिन बड़ी संख्या में भोपाल के भक्तजन शामिल हो रहे हैं. 19 जुलाई को उनका भोपाल में मंगल प्रवेश होगा. उनका चातुर्मास यहां एमपी नगर स्थित जैन मंदिर परिसर में होगा. इसके लिए आवश्यक तैयारियां प्रारंभ हो गई हैं. पंचायत कमेटी ट्रस्ट के अनुसार लगभग 10 वर्ष पहले आचार्यश्री विद्यासागर महाराज का राजधानी में चातुर्मास हुआ था. अब उनके उत्तराधिकारी आचार्यश्री समयसागर महाराज भोपाल आ रहे हैं. श्री समयसागर महाराज वर्ष 2002 में मुनि के रूप में पूर्ववर्ती आचार्यश्री विद्यासागर महाराज के साथ आए थे. वर्तमान आचार्यश्री समयसागर महाराज का नगर प्रवेश रविवार, 19 जुलाई को प्रात: 6:30 बजे होगा. उनकी भव्य अगवानी नारायण नगर से प्रारंभ होकर विद्योदय तीर्थ, एम.पी. नगर, भोपाल तक होगी. इस अवसर पर लगभग दो लाख श्रद्धालुओं के आने की संभावना है. पंचायत कमेटी के अध्यक्ष पंकज जैन सुपारी ने बताया कि अगवानी के अवसर पर मुख्यमंत्री, डॉ मोहन यादव, भोपाल सांसद आलोक शर्मा, विधायक रामेश्वर शर्मा, विश्वास सारंग, भगवानदास सबनानी, महापौर मालती राय सहित अनेक मंत्रीगण भी मौजूद रहेंगे. उन्होंने बताया कि राजधानी से प्रतिदिन 300-400 भक्तजन विहार में सम्मिलित हो रहे हैं.

टीम ऑब्सीडियन को द्वितीय रनर अप पुरस्कार

नवभारत न्यूज

भोपाल, 13 जुलाई. स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी (एसजीएसयू) के विद्यार्थियों ने एक बार फिर नवाचार, तकनीकी दक्षता और साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया है.

मध्यप्रदेश पुलिस (रायसेन पुलिस) द्वारा सेफ क्लिक के अंतर्गत रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय (आरएनटीयू), भोपाल के सहयोग से आयोजित 'सेफ क्लिक हैकाथॉन 2.0' में एसजीएसयू के विद्यार्थियों ने साइबर सुरक्षा से जुड़ी वास्तविक चुनौतियों के अभिनव समाधान प्रस्तुत किए. प्रतियोगिता में एसजीएसयू की टीम ऑब्सीडियन ने द्वितीय रनर-अप का स्थान प्राप्त किया. टीम में प्रियांशु कुशवाहा (बीसीए-साइबर सिक्योरिटी), ईशान चौधरी (बीसीए-फुल स्टैक) एवं यश प्रताप कुशवाहा (बीसीए-फुल स्टैक) शामिल थे.

एक नजर में

रोहतक में एमपी के पहलवानों ने जीते दो कांस्य

भोपाल, 13 जुलाई (खेल प्रतिनिधि). मध्यप्रदेश राज्य कुश्ती अकादमी के पहलवानों ने रोहतक में आयोजित अंडर-23 सीनियर नेशनल कुश्ती चैंपियनशिप में दो कांस्य पदक जीतकर प्रदेश का नाम रोशन किया. 10 से 12 जुलाई तक एमडीयू, रोहतक में हुई प्रतियोगिता में शिवम कौरव ने 55 किलोग्राम ग्रीको-रोमन वर्ग और मोक्ष चतुर्वेदी ने 130 किलोग्राम ग्रीको-रोमन वर्ग में तीसरा स्थान हासिल किया. प्रतियोगिता में देशभर के युवा पहलवानों के बीच कड़े मुकाबले हुए. मध्यप्रदेश के दोनों खिलाड़ियों ने अपने-अपने वर्ग में लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल तक का सफर तय किया.

कोतवाली में एसीपी पटेल ने किया पौधारोपण

भोपाल, 13 जुलाई. पर्यावरण संरक्षण और हरित वातावरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पुराने शहर स्थित सिटी कोतवाली परिसर में सेवा संकल्प युवा संगठन ने पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया . कार्यक्रम में हाल ही में बालाघाट से भोपाल स्थानांतरित होकर आए एसीपी संतोष पटेल ने संगठन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के साथ पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया. उन्होंने कहा कि स्वच्छ और सुरक्षित भविष्य के लिए प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक पौधा लगाकर नियमित देखभाल करनी चाहिए.

जैन महिला परिषद चलाएगी रेड डॉट अभियान

भोपाल, 13 जुलाई. अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन महिला परिषद, पद्मावती संभाग द्वारा स्वच्छ भोपाल अभियान के तहत रेड डॉट अभियान के अंतर्गत महापौर मालती राय से भेंट कर चर्चा की. महापौर ने निगम की सभी गाड़ियों में सेनेटरी पैड एवं डायपर के निस्तारण के लिए पीले डिब्बे लगाने तथा सफाई कर्मचारियों के लिए जागरुकता सेमिनार आयोजित कराने का आश्वासन दिया. पद्मावती संभाग की सभी शाखाओं द्वारा भोपाल की प्रत्येक महिला एवं सफाई कर्मचारी तक रेड डॉट अभियान की जानकारी पहुँचेगी.

नगर में आज

माह का प्रादर्श

समय- सुबह 11 बजे से, **स्थान-** राष्ट्रीय मानव संग्रहालय

राष्ट्रीय छात्र अध्ययन यात्रा

स्थान- रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय

लॉर्ड्स टेस्ट ऑनर्स बोर्ड में नाम दर्ज कराने वाली क्रांति पहली गेंदबाज

मध्यप्रदेश की क्रांति ने 37 रन देकर झटके 5 विकेट

खेल प्रतिनिधि

भोपाल, 13 जुलाई. मप्र की तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ ने क्रिकेट के सबसे प्रतिष्ठित लॉर्ड्स के मैदान पर इतिहास रच दिया. इंग्लैंड के खिलाफ एकमात्र महिला टेस्ट की पहली पारी में उन्होंने 17 ओवर में 7 मेडन फेंकते हुए 37 रन देकर 5 विकेट झटके.

इसके साथ ही वह लॉर्ड्स टेस्ट ऑनर्स बोर्ड पर नाम दर्ज कराने वाली पहली महिला गेंदबाज भी बन गईं. उनकी घातक गेंदबाजी की बदौलत भारत ने इंग्लैंड को पहली पारी में 170 रन पर समेट दिया और मैच पर मजबूत पकड़ बना ली. बाद में भारत ने यह ऐतिहासिक टेस्ट 270 रन से अपने नाम किया.

नेहा ने कनाडा में रचा इतिहास

आईसीएफ कैनो स्प्रिंट विश्व कप-3 के फाइनल में पहुंची

खेल प्रतिनिधि

भोपाल, 13 जुलाई. कनाडा के मॉन्ट्रियल में आयोजित आईसीएफ कैनो स्प्रिंट एवं पैरा कैनो विश्व कप-3 में भारत ने पहली बार महिला सी2 200 मीटर स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाई.

यह उपलब्धि मेघा प्रदीप और एल. नेहा देवी की जोड़ी ने हासिल की. एल. नेहा वर्तमान में भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के क्षेत्रीय केंद्र भोपाल में प्रशिक्षण ले रही हैं. 64 देशों की मौजूदगी वाले इस विश्व स्तरीय मुकाबले में भारतीय टीम के लिए यह बड़ी सफलता मानी जा रही है. 9 से 12 जुलाई तक पार्क जीन-ड्रापो में हुए विश्व कप में महिला सी2 200 मीटर में फाइनल तक पहुंचने वाली भारतीय जोड़ी ने कैनो स्प्रिंट इतिहास में नया अध्याय जोड़ दिया. इससे पहले भारत फाइनल तक नहीं पहुंच सका था. आयोजकों के अनुसार भारतीय खिलाड़ियों ने के4 समेत अन्य स्पर्धाओं में भी दुनिया की मजबूत टीमों को कड़ी चुनौती दी. खेल विशेषज्ञों का मानना है कि विश्व कप में मिला यह प्रदर्शन आने वाले बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों के लिए उत्साह बढ़ाने वाला है.

वाटर स्पोर्ट्स : सुविधाएं बढ़ीं, पर सफलता की मंजिल अभी दूर

राम कुमार | मनोज झा | विपिन

वाटर स्पोर्ट्स के प्रशिक्षण के लिए अभी हैं कई कमियां

कंचन शिवपुरिया

भोपाल, 13 जुलाई. मध्यप्रदेश ने पिछले कुछ सालों में वाटर स्पोर्ट्स में अच्छी पहचान बनाई है. भोपाल में राज्य जल क्रीड़ा अकादमी बनने के बाद खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन किया है. लेकिन कोच व खिलाड़ी मानते हैं कि एशियन गेम्स, ओलंपिक तक पहुंचने के लिए अभी कई कमियां दूर करना बाकी हैं.

मप्र ट्रायथलॉन अकादमी के कोच मनोज झा कहते हैं कि प्रदेश में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की कमी नहीं है, लेकिन सबसे बड़ी दिक्कत लगातार प्रैक्टिस की है. उनके मुताबिक ट्रायथलॉन जैसे ओलंपिक में 1500 मीटर तैराकी, 40 किमी साइकिलिंग और 10 किमी दौड़ करनी होती है. इसके लिए अच्छी ट्रेनिंग जरूरी है. लेकिन खिलाड़ियों को सरकारी स्विमिंग पूल का पूरा समय नहीं मिल पाता. मप्र तैराकी संघ के सचिव राम कुमार का कहना है कि नवंबर के बाद कई खिलाड़ियों की प्रैक्टिस बंद हो जाती है, क्योंकि ऑल वेदर स्विमिंग पूल नहीं हैं.मार्च में दोबारा शुरुआत करनी पड़ती है. राष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ी विपिन का कहना है कि आर्थिक मदद भी बड़ी समस्या है.

खेल विशेषज्ञों का कहना है कि कर्नाटक, महाराष्ट्र, केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों ने वर्षों से तैराकी और दूसरे वाटर स्पोर्ट्स पर लगातार काम किया है. मध्यप्रदेश ने भी 2007 में राज्य जल क्रीड़ा अकादमी शुरू होने के बाद अच्छी प्रगति की है और राष्ट्रीय स्तर पर कई खिलाड़ी तैयार किए हैं. लेकिन कोचों का मानना है कि सिर्फ अच्छी बिल्डिंग और सुविधाएं काफी नहीं हैं. अगर पूरे साल ट्रेनिंग, खिलाड़ियों के लिए पर्याप्त पूल टाइम, ज्यादा प्रतियोगिताएं और बेहतर आर्थिक सहयोग मिले, तो मध्यप्रदेश के खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी मजबूत चुनौती दे सकते हैं.

रोटरी क्लब सदस्यों ने रोपे 50 पौधे

भोपाल, 13 जुलाई. रोटरी क्लब भोपाल स्मार्ट सिटी द्वारा कोपल कॉलेज, नीलबड़ में पौधारोपण अभियान का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का नेतृत्व क्लब के प्रेसिडेंट रोटेरियन विक्रम सिंह एवं सेक्रेटरी रक्षा पांडे ने किया. इस अवसर पर क्लब के लगभग 50 सदस्यों ने 50 पौधों का रोपण किया तथा उनके संरक्षण का संकल्प लिया. क्लब द्वारा निर्णय गया है किलगाए गए पौधों की नियमित देखभाल की जाएगी. उनकी वृद्धि एवं संरक्षण की प्रगति का समय-समय पर अवलोकन किया जाएगा.

50 विद्यार्थियों ने शुरू की हिंदी अध्ययन यात्रा

नवभारत न्यूज

भोपाल, 13 जुलाई. रबीन्द्रनाथ टैगोर विवि में सोमवार को नौ दिनी राष्ट्रीय छात्र अध्ययन यात्रा शुरू हुई. 21 जुलाई तक चलने वाले इस कार्यक्रम में असम, मणिपुर, मिजोरम, पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, महाराष्ट्र, केरल, ओडिशा और तमिलनाडु के 50 विद्यार्थी भाग ले रहे हैं.

इसका उद्देश्य अन्य भारतीय भाषाओं वाले राज्यों के विद्यार्थियों को हिंदी भाषा, साहित्य और भारतीय संस्कृति से सीधे जोड़ना है. अध्ययन यात्रा केंद्रीय हिंदी निदेशालय, शिक्षा मंत्रालय, विश्व रंग फाउंडेशन, आरएनटीयू, एसजीएसयू और बीयू के सतत शिक्षा विभाग के सहयोग से आयोजित की जा रही है. उद्घाटन सत्र में केंद्रीय हिंदी निदेशालय की सहायक निदेशक तमन्ना रानी ने कहा कि ऐसी अध्ययन यात्राएं विद्यार्थियों को हिंदी के व्यवहारिक उपयोग और विभिन्न सांस्कृतिक पहलुओं को समझने का अवसर देती हैं.

घुड़सवारी अकादमी में सुविधाएं बढ़ाने पर जोर

खेल प्रतिनिधि

भोपाल, 13 जुलाई. खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने सोमवार को मध्यप्रदेश राज्य घुड़सवारी अकादमी का निरीक्षण कर खिलाड़ियों के प्रशिक्षण, घोड़ों की देखभाल और खेल सुविधाओं की समीक्षा की. निरीक्षण के बाद उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अकादमी में प्रशिक्षण व्यवस्था मजबूत करने के साथ घुड़सवारी को अधिक से अधिक युवाओं तक पहुंचाने के लिए ठोस योजना बनाई जाए. मंत्री ने घोड़ों के स्वास्थ्य व रखरखाव की जानकारी ली. उन्होंने निर्माणाधीन मल्टीपर्पस इंडोर एरीना का निरीक्षण किया. अधिकारियों के अनुसार इसके तैयार होने के बाद भोपाल में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय घुड़सवारी प्रतियोगिताओं के आयोजन की संभावना बढ़ेगी और खिलाड़ियों को बेहतर अभ्यास सुविधाएं मिल सकेंगी. समीक्षा बैठक में मंत्री ने प्रत्येक खिलाड़ी की विस्तृत प्रोफाइल तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि यह पता लगाया जा सके कि किन वर्गों के युवाओं की इस खेल में अधिक रुचि है. उन्होंने अकादमी की स्थापना से अब तक के प्रदर्शन, पदकों और उपलब्धियों का विस्तृत रिकॉर्ड तैयार करने को भी कहा.

वृंदावन में राधे-राधे भक्ति एल्बम का विमोचन

भोपाल, 13 जुलाई. बुंदेलखंड कला संस्थान के तत्वावधान में भक्ति संगीत पर आधारित एल्बम वृंदावन में राधे-राधे का विमोचन किया गया. इस एल्बम में श्रीमद्भागवत प्रवक्ता एवं संगीत गुरु कृष्णप्रिया, सावित्री तिवारी और डॉ. देव ने अपनी आवाज दी है. एल्बम में बाल कलाकार कृति, अवनी, सृष्टि, आन्या और अनाया ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर अधिक प्रभावी बनाया. कार्यक्रम की कोरियोग्राफी सावित्री तिवारी ने की, संगीत निर्देशन दिनेश डागर ने किया. शास्त्रीय गायिका विजेता सिंह के करकमलों से एल्बम का विमोचन किया गया.

हमीदिया में जटिल सर्जरी | **आयुष्मान योजना से हुआ मरीज का इलाज**

बिना चीरफाड़ के धमनी का किया ऑपरेशन

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 13 जुलाई. शरीर के अंदरूनी हिस्सों में खून की धमनी फटने या रिसाव होने पर डॉक्टरों को ओपन सर्जरी करना पड़ता है, लेकिन हमीदिया के डॉक्टरों ने 56 वर्षीय मरीज सलीम खान की बगल की मुख्य धमनी (एक्सिलरी आर्टरी) में हुए रिसाव को बिना किसी बड़े चीर-फाड़ के ठीक कर दिया है.

डॉक्टरों ने अत्याधुनिक एंडोवैस्कुलर तकनीक का इस्तेमाल कर एंजियोप्लास्टी और कवर्ड स्टेंटिंग के जरिए इलाज किया है. हालांकि पहले बड़ा चीरा लगाया जाता था. जिससे ज्यादा खून बहने और इंफेक्शन का भी खतरा रहता था. साथ ही मरीज को ठीक होने में महीनों लग जाते थे. इस ऑपरेशन को रेडियोलॉजी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ अंकित शाह ने अंजाम दिया. वहीं रेडियोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ लवली कौशल, कार्डियोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ राजीव गुप्ता, सीटीवीएस विभागाध्यक्ष डॉ प्रवीण शर्मा और डॉ सागर मांडविये के मार्गदर्शन में यह टीम वर्क सफल रहा. निजी अस्पतालों में कवर्ड स्टेंट की कीमत ही करीब 1 लाख 20 हजार रुपये होती है. लेकिन सलीम का इलाज आयुष्मान भारत योजना में मुफ्त किया गया.

एलएनसीटी वर्ल्ड स्कूल में विद्यार्थियों ने ली शपथ

भोपाल, 13 जुलाई. एलएनसीटी वर्ल्ड स्कूल, में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए छात्र परिषद के गठन कर शपथ ग्रहण समारोह (इन्वेस्टिचर सेरेमनी) का आयोजन किया गया.

समारोह के मुख्य अतिथि जेएनसीटी प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. गोविंद भार्गव, स्कूल मैनेजर शोभा चौकसे, प्राचार्य चैतन्य सक्सेना के द्वारा नवनिर्वाचित छात्र पदाधिकारियों को बैज और सैश प्रदान कर सम्मानित किया. इसके बाद मुख्य अतिथि ने सभी युवा पदाधिकारियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई. विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि और प्रबंधन के वरिष्ठ अधिकारियों ने उन्हें अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए अनुशासन, सत्यनिष्ठा, नेतृत्व, सेवा और जिम्मेदारी के मूल्यों को बनाए रखने के लिए प्रेरित किया. इस समारोह में स्कूल प्रबंधन के सदस्य, शिक्षक, अभिभावक और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे. इस कार्यक्रम ने युवा नेताओं में आत्मविश्वास, टीम वर्क और प्रतिबद्धता की एक नई ऊर्जा का संचार किया.